स्थायी गर्भ निरोध (नसबंदी)

	महिला नसबंदी **यह विधि डिम्बवाहिनी नलिका को अवरुद्ध या नष्ट कर देती है ताकि अंडे शुक्राणुओं से न मिल पाएं। डॉक्टर द्वारा ऐसा करने के कई तरीके हैं।**		**पुरुष नसबंदी** **यह विधि अंडकोष से शुक्राणु निकलने से रोकती है।**
	सर्जरी विधियाँ **("नलिका से" और "नलिका को बांध के")**	**सर्जरी के बिना** ***(Essure®)***	**पुरुष नसबंदी**
यह कैसे काम करती है?	चिकित्सक पेट में दो छोटे चीरे लगाकर नलिका तक पहुँचता है। और उन पर पट्टी या क्लिप लगा देता है या नलिका का कुछ हिस्सा निकाल देता है।	वह प्रत्येक नलिका में एक धातु का तार लगा देता है। चिकित्सक योनि द्वारा नलिका तक पहुँचता है। इसमें कोई चीरा नहीं लगाना पड़ता।	यह विधि, अंडकोश की नली, जिसमें शुक्राणु जमा होते हैं, उसको काटने पर आधारित है।
यह कितना प्रभावशाली करती है?	>98% तरीके पर निर्भर करता है।	97%	>99%
इसमें कितना खर्च आता है?	लगभग सभी बीमा योजनाओं और Medicaid द्वारा कवर होता है (21 वर्ष से अधिक आयु होने पर)। बीमा सुरक्षा द्वारा कवर नहीं होने पर, $1,500 से $6000 तक का खर्च।	लगभग सभी बीमा योजनाओं और Medicaid द्वारा कवर (21 वर्ष से अधिक आयु होने पर)। बीमा सुरक्षा द्वारा कवर नहीं होने पर, $1,500 से $6000 तक का खर्च।	लगभग सभी बीमा योजनाओं और Medicaid द्वारा कवर, मेडिकेयर द्वारा कवर नहीं। बीमा सुरक्षा द्वारा कवर नहीं होने पर, $350 से $1000 तक का खर्च।
फ़ायदे	यह विधियाँ गर्भ की चिंता दूर कर स्थायी और अत्यधिक प्रभावशाली गर्भ निरोध प्रदान करती हैं। कुछ विधियाँ प्रसव के तुरंत बाद भी अपनाई जा सकती हैं। तुरंत काम शुरू कर देती है।	यह विधि गर्भ की चिंता दूर कर स्थायी और अत्यधिक प्रभावशाली गर्भ निरोध प्रदान करती हैं। आप 24 घंटे के भीतर ही सामान्य काम-काज कर सकते हैं। डॉक्टर की क्लिनिक में ही किया जा सकता है। कोई बेहोशी की दवा नहीं दी जाती। कोई चीर-फाड़ नहीं।	यह विधि गर्भ की चिंता दूर कर स्थायी और अत्यधिक प्रभावी गर्भ निरोध प्रदान करती हैं। यह महिला नसबंदी के अधिकांश उपायों से प्रभावशाली और कम खर्चीला है। डॉक्टर की क्लिनिक में ही किया जा सकता है। कोई बेहोशी की दवा नहीं दी जाती।
नुकसान	आपको बाद में अफ़सोस हो सकता है। एचआईवी एवं अन्य यौन संचरित संक्रमणों से रक्षा नहीं करता। अगर आपको चक्कर या बेहोशी होती है या आपको प्रजनन अंगों का कोई रोग है तो यह प्रक्रिया आपके लिए नहीं है। यह प्रक्रिया अस्पताल में ही की जानी चाहिए। संक्रमण, खून निकलने और हल्के चक्कर या बेहोशी जैसी प्रतिक्रिया का जोख़िम। विरल में, गर्भ धारण भी हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो 30% प्रतिशत संभावना है कि ये अस्थानिक यानि गर्भाशय के बाहर होगा। प्रक्रिया के बाद दर्द रह सकता है जिसके सही होने में एक-दो दिन लग सकते हैं।	आपको बाद में अफ़सोस हो सकता है। एचआईवी एवं अन्य यौन संचरित संक्रमणों से रक्षा नहीं करता। अगर आप निकल के प्रति संवेदनशील हैं या आपको प्रजनन अंगों का कोई रोग है तो ये प्रक्रिया आपके लिए नहीं है। संक्रमण और खून निकलने का जोख़िम। इसे प्रभाव में आने में 3 महीने लग सकते हैं। इस दौरान आपको कोई और गर्भनिरोध विधी अपनानी चाहिए।	आपको बाद में अफ़सोस हो सकता है। एचआईवी एवं अन्य यौन संचरित संक्रमणों से रक्षा नहीं करता। अगर फिलहाल आपके लिंग, पौरुष ग्रंथि या अंडकोष में संक्रमण है तो यह विधि आपके लिए नहीं है। संक्रमण और खून निकलने का जोख़िम। शुक्राणु फिर भी 12 हफ़्तों तक मौजूद रह सकते हैं। सीमेन टेस्ट में शुक्राणु न पाए जाने तक कोई सहायक विधि अपनाएं। प्रक्रिया के बाद दर्द रह सकता है जिसके सही होने में एक-दो दिन लग सकते हैं।